स्नातक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि एवं शैक्षिक समायोजन के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन

डॉ० मञ्जुल त्रिवेदी*

शिक्षा मानव विकास की आधारशिला है, मनुष्य का यह शैक्षिक विकास अनेक कारकों पर निर्भर करता है । विद्यार्थी जब माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत उच्च शिक्षा में प्रवेश करता है तो उसकी वातावरणीय परिस्थितियां भिन्न होती हैं। विगत अकादमिक माहौल से पृथक स्थितियां उसे प्राप्त होती हैं । अनेक विद्यार्थी इन परिस्थितियों से कुशल सामंजस्य बैठाकर अपने अकादमिक विकास को गति देते हैं जबकि अनेक विद्यार्थी ऐसे भी होते हैं जो इन नवीन परिस्थितियों से तादात्म्य बैठा पाने में कठिनता का अनुभव करते हैं । ऐसे विद्यार्थियों का शैक्षिक विकास प्रभावित होता है। अनेक अध्ययन बताते हैं कि जो विद्यार्थी अपनी शैक्षिक परिस्थितियों में सामंजस्य बैठाकर समायोजित हो जाते हैं उनकी शैक्षिक उपलब्धि भी बेहतर होती है, इसके विपरीत जो विद्यार्थी समायोजित नहीं हो पाते या जिनका समायोजन औसत स्तर से कम होता है। उनकी शैक्षिक उपलब्धि नकारात्मक रूप से प्रभावित होती है। यथा -बालक तथा बालिकाओं के समायोजन तथा उनकी शैक्षणिक लब्धि के मध्य सकारात्मक संबंध होता है। शिक्षार्थी की अकादमिक लब्धि एवं समायोजन में लिंग का योगदान होता है- शाह एवं अन्य (2019) आध्यात्मिक कल्याण एवं महाविद्यालय समायोजन में उच्च धनात्मक सहसम्बन्ध होता है, जो कि अत्यन्त प्रभावशाली माना जा सकता है, उपरोक्त अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अवलोकन से भिन्न भिन्न निष्कर्ष प्राप्त होते हैं अतः स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन का अध्ययन करना प्रासंगिक हो जाता है ।

आध्यात्मिक विकास प्राचीन काल से ही शिक्षा का एक प्रमुख उद्देश्य रहा है । आज की शिक्षा प्रणाली में भी हम शिक्षा और संस्कारों के माध्यम से यह प्रयत्न करते हैं कि विद्यार्थी आध्यात्मिक रूप से पुष्ट हो । इन्हीं आध्यात्मिक अवयवों से संयुक्त तत्व के रूप में आधुनिक मनोविज्ञान ने आध्यात्मिक बुद्धि के संप्रत्यय की पहचान की है। जिसे परिभाषित करते हुए भिन्न-भिन्न परिभाषाएं प्राप्त होती हैं ।
विगिल्सवथ -(2006) परिस्थितियों की परवाह किए बिना भीतरी एवं बाहरी शांति बनाए रखते हुए ज्ञान एवं करूणा के साथ कार्य करने की क्षमता ही आध्यात्मिक बुद्धि है ।

दैनिक समस्या समाधान तथा लक्ष्यों की प्राप्ति में आध्यात्मिक सूचनाओं का प्रयोग आध्यात्मिक बुद्धि या आध्यात्मिक बुद्धिमता कही जा सकती है । (एमंस)

व्यक्ति की यह आध्यात्मिक बुद्धि अनेक कारकों से प्रभावित होती है जिनका अध्ययन अनेक शिक्षाविदों एवं मनोवैज्ञानिकों द्वारा किया गया है। मनोवैज्ञानिकों ने आध्यात्मिक बुद्धि का अन्य चरों के सम्बन्ध में विस्तृत अध्ययन किया तथा विविध चरों के साथ उसके भिन्न- भिन्न प्रभावों का आकलन प्रस्तुत किया, यथा- किशोरों की आध्यात्मिक बुद्धि तथा समायोजन के मध्य सार्थक सकारात्मक सहसम्बन्ध होता है, (नकुलन एवं अन्य, 2017) आध्यात्मिक बुद्धि एवं प्राध्यापकों की दक्षता के मध्य महत्वपूर्ण सहसम्बन्ध होता है, (सेठी, 2015) आध्यात्मिक बुद्धि और समायोजन के मध्य महत्वपूर्ण सार्थक एवं सकारात्मक सहसंबंध होता है, (मीणा, 2013) ।

एक ओर यह आध्यात्मिक बुद्धि जहां अनेक अवयवों से प्रभावित होती है वही व्यक्ति की आध्यात्मिक बुद्धि का स्तर अनेक अवयवों को प्रभावित भी करता है। अतः प्रस्तुत शोध अध्ययन में स्नातक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन के सन्दर्भ में आध्यात्मिक बुद्धि का अध्ययन किया गया है।

शोध समस्या-

स्नातक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि एवं शैक्षिक समायोजन के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन

संक्रियात्मक परिभाषाएं-

शैक्षिक समायोजन- यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा विद्यार्थी अपनी - शैक्षिक आवश्यकताओं एवं इन आवश्यकताओं को प्रभावित करने वाली परिस्थितियों में सन्तुलन रखता है ।

आध्यात्मिक बुद्धि-

आध्यात्मिक बुद्धि आध्यात्मिक सूचनाओं तक पहुचना उन्हें व्यक्त करना और व्यवहार में लाना है।

अध्ययन के उद्देश्य-

1. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि एवं शैक्षिक समायोजन के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करना ।
2. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की उच्च, मध्यम व् निम्न आध्यात्मिक बुद्धि के संदर्भ में उनके शैक्षिक समायोजन का अध्ययन करना ।

अध्ययन की परिकल्पनाएं

1. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की उच्च ,मध्यम एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि एवं शैक्षिक समायोजन के मध्य सार्थक सम्बन्ध है ।
2. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि के संदर्भ में उनके शैक्षिक समायोजन में अंतर है ।

*असिस्टेंट प्रोफेसर , शिक्षाशास्त्र विभाग, बी0 एस0 एन0 वी0 पी0 जी0 कालेज, लखनऊ ।

अध्ययन की विधि-

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसँख्या एवं न्यादर्श- प्रस्तुत अध्ययन में लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है। जिसमे से न्यादर्श के रूप में 10 महाविद्यालयों के 329 विद्यार्थियों को चुना गया है।

न्यादर्शन- न्यादर्श के चयन हेतु गुच्छ प्रतिदर्श विधि का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन हेतु उपकरण-

प्रस्तुत अध्ययन में आंकड़ों के संकलन हेतु के एस मिश्र द्वारा निर्मित आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण का प्रयोग किया गया है। शैक्षिक समायोजन हेतु शोधकर्ता द्वारा स्वनिर्मित शैक्षिक समायोजन परीक्षण का उपयोग किया गया है।

अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकी -प्रस्तुत अध्ययन में आंकड़ों के विश्लेषण हेतु टी टेस्ट एवं एनोवा का प्रयोग किया गया है।

परिणाम एवं व्याख्या-

स्नातक स्तर के उच्च, मध्यम व निम्न आध्यात्मिक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन।

शून्य परिकल्पना- स्नातक स्तर के उच्च, मध्यम व निम्न आध्यात्मिक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शून्य परिकल्पना के परीक्षण हेतु एनोवा का प्रयोग किया गया। गणना के परिणाम तालिका में प्रदर्शित है-

तालिका संख्या- 1

उच्च, मध्यम व निम्न आध्यात्मिक बुद्धि वाले विद्यार्थियों का शैक्षिक समायोजन

समूह	Df	SS	MS	F-अनुपात
समूह के मध्य	2	28638.81	14319.41	18.17′
समूह के अन्दर	326	256801.1	787.7335	

*0.05 स्तर पर सार्थक

तालिका संख्या 1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि स्नातक स्तर के उच्च , मध्यम व निम्न आध्यात्मिक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन में अन्तर हेतु एफ अनुपात का प्राप्त मान 18.17 है जो कि 2,326 पर 0.05 सार्थकता स्तर के सार्थकता मान 3.02 से अधिक है अतः शून्य परिकल्पना स्नातक स्तर के उच्च), मध्यम व निम्न आध्यात्मिक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन में अन्तर नहीं है अस्वीकार की जाती है और यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि स्नातक स्तर के उच्च, मध्यम व निम्न आध्यात्मिक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन में सार्थक अन्तर है। यह ज्ञात करने के लिए कि कौन-कौन से मध्यमान परस्पर सार्थक रूप से भिन्न हैं, प्रसरण विश्लेषणोपरान्त टी-परीक्षण निकाला गया-

तालिका संख्या - 2

प्रसरण विश्लेषणोपरान्त टीपरीक्षण-

समूह	N	M	M_1~M_2	σ_D	t-परीक्षण
उच्च	96	238.67	11.24	2.81	4.00*
मध्य	139	227.43			
उच्च	96	238.67	24.53	3.31	7.36*
निम्न	94	214.14			
मध्य	139	227.43	13.29	2.99	4.44*
निम्न	94	214.14			

*0.05 स्तर पर सार्थक

उपरोक्त प्रसरण विश्लेषण के उपरांत टी-परीक्षण से स्पष्ट है कि उच्च एवं मध्य और उच्च एवं निम्न तथा मध्य और निम्न आध्यात्मिक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन के मध्यमानों में 0.05 स्तर पर अन्तर सार्थक है। सारिणी से स्पष्ट है कि उच्च आध्यात्मिक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन का मध्यमान, मध्य आध्यात्मिक बुद्धि वाले विद्यार्थियों से 2.81 अधिक है, उच्च आध्यात्मिक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन का मध्यमान, निम्न आध्यात्मिक बुद्धि वाले विद्यार्थियों से 3.31 अधिक है, मध्य आध्यात्मिक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन का मध्यमान, निम्न आध्यात्मिक बुद्धि वाले विद्यार्थियों से 2.99 अधिक है। अध्ययन की सुविधा की दृष्टि से तीनों समूहों के मध्यमानों की तुलना निम्नवत की गयी है-

ग्राफ संख्या- 1

उच्च, मध्यम व निम्न आध्यात्मिक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन का मध्यमान

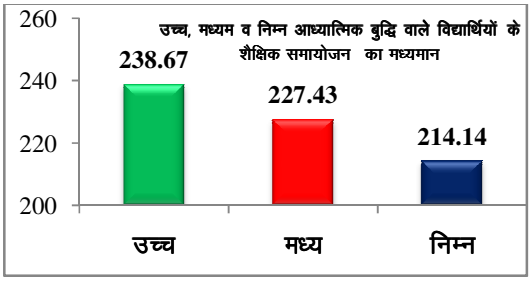

निष्कर्ष एवं सुझाव-

उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि उनके शैक्षिक समायोजन में सार्थक योगदान देती है। चूँकि शैक्षिक समायोजन प्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थियों की अकादमिक उपलब्धि के साथ जुड़ा हुआ है अतः यह निष्कर्ष अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है। आध्यत्मिक बुद्धि के महत्व को देखते हुए हमे शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में ऐसी क्रियाओं को सम्मिलित किया जाना चाहिए जो विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि की प्रबलता में सकारात्मक योगदान दें। नीति नियंताओं को भी उपर्युक्त तथ्य को ध्यान में रखते हुए नीति निर्धारण का कार्य करना चाहिए।

संदर्भ-

1. इकबाल, एस., गुप्ता, एस एवं वेंकटराव (2015) स्ट्रेस, एंग्जाइटी एण्ड डिप्रेशन अमंग मेडिकल अंडर ग्रेजुएट स्टूडेन्ट्स एण्ड देयर सोशियो डेमोग्राफिक कोरिलेट्सआई .0जे0एम0आर0, 141, 354-357
2. एमन्स, आर.ए. इज स्पिरिचुआलिटी इज इंटेलिजेंस.(२०००) ? मोटिवेशन, कॉग्निशन एंड द साइकोलॉजी ऑफ अल्टीमेट कंसर्न . ऑफ रिलिजन इंटरनेशनल जर्नल फॉर द साइकोलॉजी, 10, 3-26 ।
3. केनेट, डी. जे., रीड, एम.जे. एवं स्डमर्ट ए.एस. (2013).द इम्पैक्ट ऑफ रीजन्स फार अटेंडिंग यूनिवर्सिटी ऑन एकेडमिक रिसोर्सफुलनेस एण्ड एडजेस्टमेन्टइन हायर एक्टिव लर्निंग . एजूकेशन, 14, (2) 123-130।
4. कैबरेरा, एएफ ., नोरा, ए., पैट्रिक एवं पासकरेला (1999) कैम्पस रेशियल क्लाइमेट एण्ड द एडजस्टमेन्ट ऑफ स्टूडेन्ट टू कालेजद . जर्नल ऑफ हायर एजूकेशन, 70 (2) 134-160।
5. गुप्ता एवं वर्मा (2011) स्टडी ऑफ इमोशनल इंटेलिजेंस इन रिलेशन टू मेंटल हेल्थ एंड एडजस्टमेंट ऑफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्सज .र्नल ऑफ एडवांस इन मैनेजमेंट आईटी एंड सोशल साइंसेज, 5 (1) 4।
6. जैन (2015) .एस ,मीना .एम्.अ स्टडी ऑफ़ रिलेशनशिप ऑफ़ स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस एंड एडजस्टमेंट ऑफ़ एडोल्सेंसइंडियन . 16-12 (2) 3 .जर्नल ऑफ साइकोलोजिकल साइंस
7. ब्रेनडी, एस., हेक्टर, एफएवं हैरेल ., एस. पी. (1993).माइनारिटी स्टेटस स्ट्रेसेस एण्ड द कालेज एडजस्टमेण्ट ऑफ एथनिक माइनारिटी फ्रेशमेन, द जर्नल ऑफ हायर एजूकेशन, 64 (4) 434-452।
8. जोहर, ड. एवं मार्शल, आई.(2000) स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस द अल्टीमेट इंटेलिजेंस, न्यूयार्क ब्लूम्सबरी प्रेस।
9. रघुराम, आर .(2014) अ स्ट्डी आन अकरेन्स ऑफ सोशल एंग्जाइटी अमंग नर्सिंग स्टूडेन्ट एण्ड इट्स कोरिलेशन विद प्रोफेशनल एड्जस्टमेन्ट इनसेलेक्टेड नर्सिंग इन्टीट्यूशंस एट मंगलौरएन .0आई0टी0टी0ई0 यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ हेल्थ साइन्स, 4, (2) 64-69।
10. डावर्टी, टी. जे .(2011) द रिलेशनशिप बिट्वीन स्प्रिचुआलिटी, स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स एण्ड लीडरशिप प्रैक्टिसेज इन स्टूडेण्ट लीडर्स इन द बी0वाई0यू0 इदाहो स्टूडेन्ट एक्टिविटीज प्रोग्राम . इदाहो यूनिवर्सिटी, डिजर्टेशन एब्सट्रैक्ट इन्टरनेशनल।